TDC-III(H) Pol. Science Dr. S.B. Kumar

लोक प्रशासन (Public Admn.) और निजी प्रशासन (Private Admn.) में क्या अंतर है?

वास्तव में, लोकप्रशासन और व्यक्तिगत प्रशासन में कई समानताएँ वर्तमान हैं। यही कारण है कि दोनों प्रशासनों के अंतरों को बहुत-से विद्वान पकड़ नहीं पाते हैं। दोनों प्रशासनों में सबसे बड़ी समानता तो यह है कि दोनों प्रकार के प्रशासनों में एक ही प्रकार के कौशल की आवश्यकता है। यही कारण है कि दोनों प्रकार के प्रशासनों के कर्मचारी अपने पदों को एक-दूसरे से अकसर बदला करते हैं। भारत में ही यह देखने को मिलता है कि अवकाशप्राप्त सरकारी कर्मचारी व्यापारिक एवं औद्योगिक संस्थानों में स्थान प्राप्त कर लेते हैं। उसी तरह 1949-50 ई० में सरकार को उच्च पदाधिकारियों का अभाव हो जाने पर आई० ए० एस० की विशेष भर्ती के लिए औद्योगिक संस्थानों में काम करनेवाले व्यक्तियों को भी आवेदन-पत्र भेजने का निमंत्रण देना पड़ा। इंगलैंड में भी कोयला, गैस, विद्युत और यातायात के साधनों का राष्ट्रीयकरण होने पर उनमें लगे अधिकांश पदाधिकारियों को हटाया नहीं गया। यदि दोनों प्रशासनों के बीच मूलभूत अंतर रहता तो लोकप्रशासन में व्यक्तिगत प्रशासन के पदाधिकारियों को स्थान नहीं दिया जाता। इसके अलावा, व्यापारिक संस्थानों में जिन पद्धतियों को अपनाया जाता है, उनका प्रभाव लोकप्रशासन पर पड़े बिना भी नहीं रहता है। उदाहरण के लिए, व्यापारिक संस्थानों के अनुभव के आधार पर ही सरकारी नियमों को प्रचलित किया गया है। व्यक्तिगत प्रशासन में जो विशेषताएँ लाभ पहुँचा रही हैं, उनको लोकप्रशासन में समन्वित कर लेना आवश्यक माना जा रहा है। विशेषतः, कार्यालय के प्रबंध और मितव्ययिता के मामले में व्यापारिक संस्थाएँ ज्यादा कुशल होती हैं। सरकार इन चीजों की नकल करने में नहीं हिचकती है। उसी तरह, सरकारी प्रशासन के अनुभवों से व्यक्तिगत प्रशासकीय संस्थाएँ लाभ उठाने में नहीं चूकतीं। मिस फॉलेट ने दोनों प्रशासनों की एक अन्य समानता की चर्चा करते हुए कहा कि दोनों ही प्रशासन इस बात के लिए सचेष्ट रहते हैं कि वे अपने-आपको नवीन परिस्थितियों के साथ समायोजित करने के लिए समय-समय पर परिवर्तन अपनाते रहें। इस तरह, दोनों प्रशासनों में अत्यधिक समानता है। साइमन ने भी कहा है कि "दोनों प्रशासनों में असमानता से अधिक समानताएँ ही हैं।"[2]

इन समानताओं के बावजूद दोनों को एक नहीं कहा जा सकता। आज भी दोनों प्रशासनों के बीच अंतर दिखानेवाले तत्त्व मौजूद हैं। एपलबी महोदय का कहना है कि दोनों प्रशासनों में कई महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ पाई जाती हैं, जिनके आधार पर दोनों में भेद किया जा सकता है। उनके विचारानुसार, "व्यापक अर्थ में सरकारी कार्य तथा स्थिति के कम-से-कम तीन ऐसे पूरक पहलू हैं, जो सरकार तथा अन्य सभी संस्थाओं और क्रियाओं (तथा व्यक्तिगत प्रशासन) के बीच विभिन्नता प्रकट करते हैं। वे पहलू हैं—क्षेत्र-प्रभाव और विचार का विस्तार, जनता के प्रति उत्तरदायित्व और राजनीतिक प्रकृति।" साइमन ने दोनों का अंतर स्पष्ट करते हुए कहा है कि "लोकप्रशासन की प्रकृति राजनीतिक है तथा वह नौकरशाही एवं लालफीताशाही के रंगों से रंजित है। दूसरी ओर, व्यक्तिगत प्रशासन अराजनीतिक व्यापारिक तथा नौकरशाही और लालफीताशाही से मुक्त होता है।"

दोनों प्रशासनों के बीच के अंतर को जोशिया स्टॉप ने स्पष्ट करते हुए चार अंतरों को स्पष्ट किया है—(क) लोकप्रशासन जनता के साथ समान व्यवहार करता है। एक ही प्रकार

1. "We are no longer ...

Scanned with CamScanner